शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(अध्ययन मंडल हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचना आदेश दिनांक 07 मई 2025 के अनुसार सत्र–2025–26 के लिए **स्नातक हिंदी भाषा और साहित्य तथा ऑनर्स (प्रतिष्ठा)** हिंदी का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

स्नातक हिन्दी

(सत्र–2025–26)

(FYUGP (CBCS AND LOCf Course)

सेमेस्टर प्रणाली

(सेमेस्टर 2, 4, 6, और 8)

डॉ. शंकर मुनि राय
विभागाध्यक्ष–हिंदी

डॉ. सुचित्रा गुप्ता
प्राचार्य

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc	Semester-II	Session 25-26

1	Course Code	HNSC-02
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल
3	Course Type	DSC
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outscom (CLO)	1. युगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण काल, सुधार काल के प्रमुख रचनाकारें की उपादेयता को गहनता से सकेंगे। 2. हिंदी पद्य के साथ गद्य के कमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तत्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य एवं गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलत हुए सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमंडलीकरण के दौर में युगीन हिंदी साहित्य को विश्व साहित्य के समानांतर रखकर मूल्यांकन परकदृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	आधुनिककाल व हिंदी नवजागरण–भारतेंदु युग अ : आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण ब– भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	द्विवेदीयुग व छायावाद अ: द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताए	15

	ब : छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं	
III	छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियां) अः प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य विशेषताएं। बः नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं।	15
IV	हिंदी गद्य का विकास अः कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार बः निबंध और नाटक का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15

संदर्भ ग्रंथ–

1 हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

2हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

3 महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण –डॉ रामविलास शर्मा

4 भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण –डॉ रामविलास शर्मा

5 छायावाद की प्रासंगिकता–रमेशचंद्र शाह,

6 हिंदी गद्य का विकास–भारतेंदु हरिश्चंद्र

7 आधुनिक हिंदी गद्य का विकास–आ रामचंद्र शुक्ल

8 हिंदी नाटक उदभव और विकास–दशरथ ओझा

9 e-adhyayan

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. शंकर मुनि राय -
2. डॉ. अंजना गुप्ता -
3. डॉ. बी. एन. जागृत -
4. डॉ. प्रवीण कुमार साहू - 16.5.2025
5. डॉ. वीरेन्द्र कुमार साहू
6. डॉ. शिखा Kaushik
7. डॉ. गायत्री साहू
8. डॉ. नीलम तिवारी
9. डॉ. लोकेश कुमार

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors Honorse with Research	Semester-II	Session 25-26

1	Course Code	HNGE-02
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल
3	Course Type	GE
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outscom (CLO)	1. युगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण काल सुधार काल के प्रमुख रचनाकारें की उपादेयता को गहनता से समझ सकेंगे। 2. हिंदी पद्य के साथ गद्य के कमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तत्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य एवं गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलते हुए सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमंडलीकरण के दौर में युगीन हिंदी साहित्य को विश्व साहित्य के समानांतर रखकर मूल्यांकनपरक दृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	आधुनिककाल व हिंदी नवजागरण–भारतेंदु युग अ : आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, एवं सांस् पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण ब– भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	द्विवेदीयुग व छायावाद अः द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं। ब : छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं।	15
III	छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियां) अः प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं। बः नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार,	15

	साहित्य एवं विशेषताएं।	
IV	हिंदी गद्य का विकास अः कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार बः निबंध और नाटक का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण –डॉ रामविलास शर्मा
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण –डॉ रामविलास शर्मा
5. छायावाद की प्रासंगिकता–रमेशचंद्र शाह,
6. हिंदी गद्य का विकास–भारतेंदु हरिश्चंद्र
7. आधुनिक हिंदी गद्य का विकास–आ रामचंद्र शुक्ल
8. हिंदी नाटक उदभव और विकास–दशरथ ओझा
9- e-adhyayan

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research	Semester-VI	Session 25-26

1	Course Code	HNSE-01
2	Course Title	संप्रेषण कला एवं सर्जनात्मक हिंदी
3	Course Type	**SEC**
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outsco (CLO)	1 विद्यार्थियों में संप्रेषण कौशल का विकास होगा। 2विद्यार्थियों में सर्जनात्मक क्षमता विकसित हो सकेगी। 3विद्यार्थी मौलिक लेखन हेतु प्रेरित होंगे। 4 संचार माध्यमों के महत्व को समझ सकेंगे। 5 प्रिंटमीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया के विविध पक्षों ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

6	Credit Value	02 Credits (1c+1c)	01 Credit =15 Hours-Theoratical learnir and = 30hours Laboratory or field learni Trainning
7	Total marks	Maximum Marks : 50	Minimum passing Marks : 20

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- THEORY-15 periods (15 Hours) and = 30 periods (30hours)Laboratory or field learning/ Trainning

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
THEORY	संप्रेषण कला अवधारणा,महत्व और प्रकार (वाचिक,लिखित आंगिक आदि) व्यक्तित्व विकास में संप्रेषण की उपयोगिता, सर्जनात्मक हिंदी अवधारणा ,उपयोगिता।विविध विधाओं में लेखन– रिपोर्ताज,फीचर,स्तंभलेखन, प्रतिवेदन आदि।	15
Laboratory or field learning/ Trainning	प्रायोगिक कार्य मौखिक–तात्कालिक भाषण, भाषण,समूह चर्चा,मंच संचालन,समाचार वाचन, साक्षात्कार, रिर्पोर्टिंग। लिखित–स्पॉट राइटिंग(रचनात्मक लेखन) रिपोर्ताज, फीचर, स्तंभलेखन, प्रतिवेदन, यात्रावृतांत, संस्मरण।संप्रेषण कला अंतर्गत प्रदत्त विषय पर कविता,कहानी, निबंध आदि पर रचनात्मक लेखन का अभ्यास	30

संदर्भ ग्रंथः

1. भारतीयता के अमर स्वर–मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. हिंदी भाषा :संप्रेषण कौशल
3. आधुनिक जन संचार और हिंदी– हरि मोहन
4. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता –जय मोहन वाणी प्रकाशन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc	Semester-IV	Session 25-26

1	Course Code	HNSC-04
2	Course Title	अर्वाचीन हिंदी काव्य (भाग एक)
3	Course Type	DSC
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outscom (CLO)	1. विद्यार्थी द्विवेदी युगीन सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे। 2. छायावाद के काव्य के माध्यम से प्रकृति के विविध पक्षों से गहन लगाव और परिचय प्राप्त हो सकेगा। 3. विद्यार्थी काव्य के क्षेत्र में नवीन प्रयोगों को समझ सकेंगे। 4. नवीन काव्य के क्षेत्र में नवीन प्रयोगाें को समझ सकेगें। 5. नवीन संदर्भों में मूल्यांकन एवं शोध की दृष्टि विकसित होगी। 6. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की 7. क्षमता का विकास हो सकेगा।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	अ. मैथिलीशरण गुप्त : शिक्षा, शुभकामना ब. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': वर दे,वीणा वादिनी, तोड़ती पत्थर, राजे ने अपनी रखवाली की	15
II	ब. महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली, बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, जो तुम आ जाते एक बार	15
III	अ. जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, सब जीवन बीता जाता है ब. अज्ञेय : साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की	15
IV	अ. माखन लाल चतुर्वेदी : बलि पंथी से, उलाहना, नि:शस्त्र सेनानी	15

	ब. सुभद्रा कुमारी चौहान : मेरा नया बचपन, जलियां वाला बाग में बसंत, स्वदेश के प्रति	

संदर्भ ग्रंथ :

1. अर्वाचीन हिंदी काव्य– संपादक, पुनीत बिसारिया
2. जय शंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना– रामबिलास शर्मा
4. छायावाद–नामवर सिंह
5. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना– वाणी प्रकाशन
6. सुभद्रा कुमारी चौहान की प्रतिनिधि रचनाएं– राजपाल प्रकाशन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc		Semester-IV	Session 25-26
1	Course Code	HNSE-02	
2	Course Title	छायावाद :प्रतिनिधि रचनाकार	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी छायावादी काव्य आंदोलन से परिचित होंगे । 2 छायावादी प्रमुख कवियों एवं काव्य कृतियों से परिचित होंगें। 3 विद्यार्थी छायावाद की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4 तत्कालीन सामाजिक–सांस्कृतिक परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे। 6 पाठ्यकृतियों के संदर्भ मे आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	जयशंकर प्रसाद : कामायनी–श्रद्धा सर्ग, सब जीवन बीता है	15
II	सुमित्रानंदनपंत : प्रथमरश्मि, आह धरती कितना देती है, संध्या के बाद	15
III	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : संध्या सुंदरी, अभी ना होगा मेरा अंत सखि बसंत आया	15
IV	महादेवी वर्मा : अलि मैं कण–कण को जान चली, पंथ रहने दो अपरिचित, जाग तुझको दूर जाना अधिकार	15

संदर्भ ग्रंथः

1. छायावाद–नामवर सिंह
2. कामायनी– जयशंकर प्रसाद
3. निराला की साहित्य साधना–रामबिलास शर्मा
4. सुमित्रानंदन पंत : रचना संचयन–सं. विमल कुमार
5. महादेवी वर्मा एवं उनकी प्रतिनिधि कविताएं–साहितय सरोवर प्रकाशन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

चारवर्षीय स्नातक पाठ्यकम **(CBCS And LOCF)**प्रारूप

विषय : हिन्दी साहित्य **(Disciplinary Specific Course)**

सत्र : 2025–26	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय : हिंदी साहित्य–6
पाठ्यकम का स्वरूप : **(DSC-6)** मूल पाठ्यकम हिंदी	विषय कोड :
पाठ्यकम का नाम : **हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन**	
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80+20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

Program outcomes : (पाठ्यकम प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है उतना ही गूढ़गहन भी। इसमे रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिंदी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। साथ–साथ हिंदी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है उसे भी रुपायित करने की आवश्यकता है। संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का समावेश होगा।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यकम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• यह प्रश्नपत्र हिंदी भाषा के इतिहास और विकास कम को रेखांकित करता है। • इसमें हिंदी भाषा के विविध रूपों के अध्ययन से विद्यार्थियों में गहरी रुचि विकसित होगीं। • इसके अध्ययन सें हिंदी भाषा एवं साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की परख विकसित होगी। • इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में काव्य के विविध अंगो की शास्त्रीय जानकारी और उसके प्रति रचनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	**(क)** हिंदी भाषा का स्वरूप–विकास : हिंदी की उत्पत्ति, हिंदी की मूल आधार भाषाएं तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिदी भाषा के विभिन्न रूप– 1. बोलचाल की भाषा 2. रचनात्मक भाषा 3. राष्ट्रभाषा, 4. राजभाषा 5. संपर्क भाषा 6. संचार भाषा। हिंदी का शब्द भंडार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।
2	15	**(ख)** हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल (पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल) :सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं प्रमुख युग प्रवृत्तियां

3	15	(ग) आधुनिक काल : :सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियां, विशिष्ट रचनाकार, और उनकी प्रतिनिधि कृतियां, साहित्यिक विशेषताएं।
4	15	(घ) काव्यांग : काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, अंग विभावादि तथा उदाहरण। प्रमुख पांच छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, कुंडलियां तथा सवैया। अलंकार : शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वकोक्ति, पुनरुक्ति प्रकाश। अर्थालंकार : उपमा, रूपक, उत्पेक्षा, अतिश्योक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन–सत्यभामा आड़िल एवं आभा तिवारी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं. डॉ. सुनील त्रिवेदी एवं बाबूलाल शुक्ल, प्रकाशक– मप्र. उच्च शिक्षा अनुदान आयोग
3. राजभाषा हिंदी –मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
4. हिंदी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप
विषय :DSE-5

सत्र : 2025–26	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय :प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन–1
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को लेकर तैयार किये गये इस पाठ्यक्रम में हिंदी के विविध रूपों की भाषायी प्रकृति सहित उनके उपयोगी क्षेत्रों का का ज्ञान विद्यार्थियों को कराना अनिवार्य समझाा गया हैं। साथ ही मीडिया लेखन और उसकी सावधानियों की तकनीकी जानकारी देना तथा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के समाचारों की लेखन कला की जानकारी देना एक रोजगारी पाठ्यक्रम के रूप में साबित होगा।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों के भाषायी ज्ञान की उपयोगिता साबित होगी। • अखबारी, आकाशवाणी तथा मीडिया के विविध क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक विद्यार्थी अपनी भाषायी लेखन क्षमता का उपयोग सहजता से कर सकेंगे।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	प्रायोजनिक हिंदी : परिभाषा, उद्देश्य उपयोगिता एवं क्षेत्र हिंदी के विविध रूप : सृजनात्मक हिंदी, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा एवं विज्ञापन की भाषा
2	15	मीडिया लेखन : मीडिया का अर्थ एवं प्रकार, समाचार का अर्थ एवं महत्व, आकाशवाणी, अखबारी एवं दूरदर्शिनी समाचार, समाचार संकलन एवं लेखन की सावधानियां
3	15	संपादन कला : शीर्षक निर्माण, पेज ले–आउट, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन, स्क्रीप्ट लेखन, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन।
4	15	कम्प्युटर का अनुप्रयोग : परिचय एवं विकास, वेब पब्लिशिंग, इंटरनेट, हिंदी के प्रमुख पोर्टल, सोशल मीडिया का स्वरूप

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
2. हिन्दी पत्रकारिता–कृष्ण बिहारी मिश्र
3. प्रशासनिक हिन्दी–पुष्पा कुमारी

4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग–विजय मल्होत्रा
5. कम्प्यूटर एप्लीकेशन–गौरव अग्रवाल

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inकरूप
विषय :DSE-6

सत्र : 2025–26	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय :आधुनिक हिंदी गद्य विधाएं–2
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : आधुनिक हिंदी गद्य विधाएं–2 (संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत और व्यंग्य)
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी के लगभग डेढ़ हजार वर्षों के साहित्यिक इतिहास में जो गद्यात्मक बदलाव होते आये हैं,उसी के आधार पर हमारी शिक्षा नीति के आधार बनते –बिगड़ते और सवंर्द्धित होते रहे है। इसलिए विद्यार्थियों हिंदी गद्य की नवीनतम विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। इनके सामान्य अध्ययन के बाद विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जा सकती है उन्हें हिंदी साहित्य की अधुनातन विधाओं की पृष्ठभूमि की जानकारी किस स्तर तक है। इस कम में उससे यह भी अपेक्षित है कि उन्हें अपनी साहित्यिक दुनिया की प्रवृत्तियों की जानकारी हो।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य की नवीन विधाओं में संस्मरण,रेखाचित्र ,यात्रावृतांत और व्यंग्य विधाओं को प्रमुखता से यहां शामिल किया गया है। इनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अंतर्गत महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, राहुल सांकृत्यायन के साथ ही के पी सक्सेना जैसे काव्यकार की एक–एक गद्य रचनाओं के पाठ्यविषय में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यकम के अध्ययन से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • हिंदी के प्रमुख संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा लेखक और व्यंग्यकारो की कुछ रचनाओं के बारे में जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	• आधुनिक हिंदी गद्य विधाएं: हिंदी संस्मरण: सामान्य परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विकस • संस्मरण प्रेमचंद–महादेवी वर्मा
2	15	• रेखाचित्र : सामान्य परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विकास गेहूं और गुलाब–रामवृक्ष बेनीपुरी

3	15	यात्रा वृतांतः सामान्य परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विकास शांति निकेतन में–राहुल सांकृत्यायन
4	15	हिंदी व्यंग्यः सामान्य परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विकास आंसुओं का बैंक बैलेंस :केपी सक्सेना

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी गद्य का विकास–भारतेंदु हरिश्चंद्र
2. आधुनिक हिंदी गद्य का विकास–आ रामचंद्र शुक्ल

पाठ्यकम समिति के सदस्यः

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग

चारवर्षीय स्नातक पाठ्यकम (CBCS And LOCF) प्रारूप

विषय : बौद्धिक क्षमता विकास (Skill Enhancement Course)

सत्र : 2025–26	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास –2
पाठ्यकम का स्वरूप : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–2	विषय कोड :
केडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 50 (ESE40 +IA10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–2
Program outcomes : (पाठ्यकम प्रतिफल)	छत्तीसगढ़ की राजभाषा छत्तीसगढ़ी होने के कारण इसके साहित्यिक इतिहास और रचना धर्म से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यकम का उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ी के साहित्य लेखन में जिन महत्वपूर्ण रचनाकारों की सूची बनती है, उनकी कुछ प्रमुख कृतियों को भी अध्ययन सामग्री के रूप में यहां शामिल किया गया है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यकम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी साहित्य के कुछ प्रमुख रचनाकारों की कृतियों को पाठ्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यकम के अध्ययन से विद्यार्थियों को अपने प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी साहित्य से संबधित जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	10	• आधुनिक युग : काव्य और प्रमुख काव्यकार का सामान्य परिचय • प्रमुख पद्यकार – हरि ठाकुर, दानेश्वर शर्मा और कोदूराम दलित का साहित्यिक परिचय
2	10	• गद्य साहित्य : गद्य और प्रमुख गद्यकार का सामान्य परिचय • गद्य साहित्यकार– लखनलाल गुप्त, केयूर भूषण, परदेशी राम वर्मा
3	10	• कृति समीक्षा • लखनलाल गुप्त – सोनपान, खूबचंद बघेल– करमछड़हा

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उदभव और विकास –नरेन्द्रदेव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी भाषा ओर साहित्य– डॉ. सत्यभामा आड़िल

पाठ्यकम समिति के सदस्यः

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc	Semester-VIII	Session 25-26

1	Course Code	HNSC-08
2	Course Title	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
3	Course Type	**DSC**
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement
5	Course Learning Outscom (CLO)	1 विद्यार्थिया में छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास हो सकेगां। 2 छत्तीसगढ़ी भाषा के रचनाकारों से परिचित होंगें। 3 छत्तीसगढ़ी कविता एवं अन्य गद्य विधाओं से परिचित होंगे। 4 छत्तीसगढ़ी साहित्य के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा। 5 विद्यार्थी छत्तीसगढी भाषा एवं व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर छत्तीगढ़ी में साहित्य सृजन के लिए प्रेरित हो सकेंगे।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य : अ. छत्तीसगढ़ी भाषा का सामान्य परिचय, प्रकार, एवं व्याकरण ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास व प्रमुख रचनाकार– पं. सुंदरलाल शर्मा, लोचन प्रसाद पाण्डेय, प्यारेलाल गुप्त, श्यामलाल चतुर्वेदी, नारायण लाल परमार, डॉ. खूबचंद बघेल	15
II	छत्तीसगढ़ी कवि अ. प्राचीन कवि संत धरमदास के तीन पद 1. गुरु पइयां लागवं नाम लखा दी जो हों.... 2. नैनन आगे ख्याल घनेरा.... 3. भजन करो भाई रे ब. मुकुटधर पाण्डेय–मेघदूत का छत्तीसगढी अनुवाद	15
III	छत्तीसगढ़ी कवि अ. हरिठाकुर– 1 संग समय के चलना परही, 2 बेरान व निर्मान के ब. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र'–1 धन धनरे मोर किसान, 2 सरद रितु आगे	15
IV	उपन्यास– परदेशी राम वर्मा– आवा	15

संदर्भ ग्रंथः

1. छत्तीसगढ़ का इतिहास– गीतेश कुमार अमरोहित
2. लेक संस्कृति और लोक इतिहास–बद्रीनाथ
3. लोकसाहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य– सं. रमेश टण्डन
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन–नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ की लोकथाएं–परदेशीराम वर्मा

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc		Semester-VIII	Session 25-26
1	Course Code	HNSE-08	
2	Course Title	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	
3	Course Type	DSE	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsco (CLO)	1 विद्यार्थी अस्मितामूलक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित हो सकेंगे । 2 स्त्री विमर्श के प्रमुख साहित्यकार एवं कृतियों से अवगत होंगे। 3 विद्यार्थी हिंदी साहित्य और अस्मितामूलक साहित्य के अंतर्संबंध को समझ सकेंगे। 4 पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा। 5 विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमता विकसित हो सकेगी।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	विमर्शमूलक साहित्य–अवधारणा ,विकास एवं प्रवृत्तियां दलित विमर्श– अवधारणा एवं आंदोलन स्त्री विमर्श– अवधारणा वं आंदोलन (भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ) आदिवासी विमर्श– अवधारणा एवं आंदोलन	15
II	छलित विमर्श–(आत्मकथा) ओमप्रकाश वाल्मीकि–जूठन	15
III	स्त्री विमर्श– (कविता) कीर्तिचौधरी–सीमारेखा कात्यायनी–सात भाइयों के बीच चंपा सविता सिंह–मैं किसकी औरत हूँ	15
IV	आदिवासी विमर्श– (कहानियॉ) रोज केरकेटा– फिक्सड डिपॉजिट ज्याति लकड़ा–कोराइन डूबा	15

संदर्भ ग्रंथः

1. विमर्श के विविध आयाम–डॉ. अर्जुन चव्हाण
2. अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य–डॉ. मंदाकिनी मीणा
3. समकालीन साहित्य और दलित विमर्श– संजय एलमादार
4. भारतीय स्त्री विमर्श– नीरजा माधव
5. आदिवासी विमर्श और समकालीन हिंदी उपन्यास– सं विनोद विश्वकर्मा

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc	Semester-VIII	Session 25-26

1	Course Code	HNSE-09	
2	Course Title	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल अवधारणा से परिचित हो सकेंगे । 2 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास कम को समझ सकेंगे। 3 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित होंगे। 4 आधुनिक समीक्षा के सिद्धांतों से परिचित होंगे। 5 साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियो मे समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	प्लेटो– अनुकृति सिद्धांत अरस्तु– अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत	15
II	लेंजाइनस–उदात्त की अवधारणा मैथ्यूअर्नाल्ड–कला की अवधारणा	15
III	क्रोचे–अभिव्यंजनावाद रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत और संप्रेषण सिद्धांत	15
IV	आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां व व्यावहारिक समीक्षा नोट–विद्यार्थी प्रदत्त अंश की स्वविवेक से समीक्षा करेंगे।	15

संदर्भ ग्रंथः

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र– डॉ विजय बहादुर सिंह
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–गणपति चंद्रगुप्त
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन– जगदीश चंद्र जैन
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र
5. पश्चात्य काव्य दर्शन– डॉ. शंकर मुनि राय

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors /Honorse with Research	Semester-VIII	Session 25-26

1	Course Code	HNSE-10	
2	Course Title	अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी अनुवाद के व्यापक स्वरूप से परिचित होंगे । 2 विद्यार्थी अनुवाद प्रकिया को समझस केंगे। 3 विद्यार्थी अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक पक्षों से अवगत हो सकेंगे । 4 विद्यार्थियों में अनुवाद करने की क्षमता क विकास हा`सकेगा। 5 विद्यार्थी अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक महत्व को समझ सकेंगे।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**अनुवाद का अर्थ, परिभाषा ,स्वरूप,**अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व। अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद प्रकिया के तीन चरण–विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन	15
II	**अनुवाद के प्रकार**– शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद।सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में अंतर	15
III	**अनुवाद सैद्धांतिकी**–प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, विधि अनुवाद, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद, सामाजिक विषयों का अनुवाद	15
IV	**पारिभाषिक शब्दावली** : कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी, बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली। उपर्युक्त प्रमुख पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप। व्यावहारिक अनुवाद– विद्यार्थी प्रदत्त अंश का अनुवाद प्रस्तुत करेंगें	15

संदर्भ ग्रंथः

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा–सुरेश कुमार
2. अनुवाद प्रकिया एवं व्यावहारिकता–संतोष अलेक्स
3. पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा– सं डॉ. गार्गी गुप्ता
4. प्रशासनिक शब्दावली –वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION				
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc		Semester-VIII		Session 25-26
1	Course Code	HNSE-11		
2	Course Title	हिंदी कहानी		
3	Course Type	**DSE**		
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement		
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी हिंदी कहानी के क्रमिक विकास से परिचित होंगे। 2 मूल्यांकन एवं विश्लेषण की क्षमता का विकास हो सकेगा। 3 कहानी के तात्विक स्वरूप से अवगत होंगे । 4 कृतियों के माध्यम से जीवन और समाज को समझने की क्षमता का विकास हो सकेगा। 5 विद्यार्थियों में रचनात्मकता की क्षमता विकसित हो सकेगी।		
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation	
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40	

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	हिंदी कहानी–उद्भव और विकास प्रेमचंद–पूस की रात जयशंकर प्रसादः पुरस्कार	15
II	कृष्णा सोबतीः सिक्का बदल गया ज्ञानरंजनः पिता निर्मल वर्माः परिंदे	15
III	मन्नू भंडारीः यही सच है कमलेश्वरः राजा निरबंसिया उषा प्रियंवदाः वापसी	15
IV	गजानन माधव मुक्तिबोधः पक्षी और दीमक सुदर्शनः हार की जीत अमरकांत–दोपहर का भोजन	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी कहानी का उद्भव और विकास–सुरेश सिन्हा
2. कहानी स्वरूप और संवेदना– राजेन्द्र यादव
3. कृष्णा सोबती से कृष्णा सोबती तक–सं ए अरविंदाक्षन
4. जयशंकर प्रसाद प्रतिनिधि कहानियां– राजकमल प्रकाशन
5. संपूर्ण कहानियां मन्नू भंडारी– राधा कृष्ण प्रकाशन
6. प्रतिनिधि कहानियां उषा प्रियंवदा–सं रोहिणी अग्रवाल
7. कहानी का रचना विधान– जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
8. सुदर्शन की श्रेष्ठ कहानियां– राजपाल एण्ड संस

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-25-26

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION		
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc	Semester-VIII	Session 25-26

1	Course Code	HNSE-12
2	Course Title	भारतीय साहित्य
3	Course Type	**DSE**
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी भारतीय साहित्य के माध्यम से अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे। 2 विद्यार्थी हिंदीतर भाषा–साहित्य से परिचित हो सकेंगे। 3 विद्यार्थियो में भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीयता की पहचान करने की क्षमता का विकास होगा। 4 अनुदित साहित्य के आस्वादन एवं मूल्यांकन की क्षमता विकसित हो सकेगी। 5 पाठ्य कृतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को समझने की क्षमता का विकास हो सकेगा।

6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	भारतीय साहित्य का स्वरूप भारतीयता का समाजशास्त्र भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति	15
II	भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता– भारतीय समाज व संस्कृति के समग्रबोध, भारतीय ज्ञानपरंपरा, चिंतन, मूल्य की समझ एवं राष्ट्रीय व सांस्कृतिक एकता के लिए भारतीय साहित्य के अध्ययन में समस्याएं– भाषायी विविधता, सांस्कृतिक अनेकता, अनूदित साहित्य का अभाव इतिहास और कालविभाजन, उपलब्ध साहित्य के प्रति जागरूकता की कमी	15
III	भारतीय साहित्य:काव्य तमिल–सुब्रमण्यम भारती– यह है देश हमारा	15

	मराठी–कुसुमाग्रज–रीढ़ उड़िया–सीमा कांत महापात्र–सांझ सवेरा	
IV	भारतीय साहित्य–गद्य उपन्यास– अग्निगर्भ–महाश्वेता देवी नाटक– हयवदन–गिरीश कर्नाड	15

संदर्भ ग्रंथः

1. भारतीय साहित्य–सं डॉ नगेन्द्र
2. भारतीय साहित्य माला– सं कृष्णदयाल भार्गव
3. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य –आर.सुरेन्द्रन
4. मराठी भाषा और साहित्य– राजमल बोरा
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास–भारतीय भाषा संस्थान इलाहाबाद
6. अग्निगर्भ–महाश्वेता देवी
7. तुलनात्मक अध्ययन– भारतीय भाषाएं और साहित्य–वाणी प्रकाशन

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :